

किसानों को 50 हजार मुआवजा और 5 लाख तक कर्जमाफी की मांग, विजयेंद्र ने सरकार पर साधा निशाना



भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
बेंगलुरु, 1 अक्टूबर 2026। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने राज्य में सूखे की स्थिति को लेकर कांग्रेस सरकार पर किसानों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए तत्काल राहत पैकेज घोषित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सूखा प्रभावित किसानों को 50,000 प्रति एकड़ मुआवजा, छ लाख तक कृषि ऋण माफी और किसानों को प्रतिदिन सात घंटे तीन-फेज बिजली उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इन मांगों का उल्लेख विजयेंद्र ने हाल में विधानसभा में भी किया था। बंगारपेट में मीडिया से बातचीत के दौरान विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा ने किसानों की समस्याओं को लेकर बेल्तारी चलो सहित विभिन्न स्तरों पर सरकार का ध्यान आकर्षित

येलहंका न्यू टाउन में स्वच्छता अभियान, सफाई के लिए जनजागरूकता का संदेश



भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
संवाददाता अशोक कुमार सिंह बेंगलुरु, 1 अक्टूबर 2026। येलहंका न्यू टाउन स्थित आरडब्ल्यूएफ व्हील कारखाना क्षेत्र में कारखाने के सभी कार्यकर्ताओं की ओर से स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के

लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में विश्व हिंदू धर्म रक्षक सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित जितेंद्र कुमार 'जीतू' दुबे तथा महिला संघित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान उपस्थित लोगों ने गलियों, नालियों और कॉलोनी के आसपास नियमित सफाई रखने तथा कचरे का उचित निस्तारण करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान भारतार्थ खबर के संवाददाता अशोक कुमार सिंह ने पंडित जितेंद्र कुमार 'जीतू' दुबे से

करनी चाहिए। उन्होंने सरकार द्वारा घोषित सहायता राशि को अपर्याप्त बताते हुए किसानों के लिए ठोस आर्थिक पैकेज की मांग दोहराई। सरकार की वित्तीय स्थिति पर भी सवाल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य सरकार की वित्तीय स्थिति को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि आर्थिक संकट के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और किसानों को अपेक्षित मुआवजा देने में भी सरकार कठिनाई का सामना कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से राज्य की वित्तीय स्थिति और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च को लेकर स्पष्टता देने की मांग की। विजयेंद्र ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए निर्धारित एससीपी-टीएसपी निधि के उपयोग को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। कानून-व्यवस्था और दलित सुरक्षा का मुद्दा उठाया विजयेंद्र ने राज्य में दलितों के खिलाफ कथित हिंसा की घटनाओं को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने रायचूर जिले के देवदुर्ग और कलबुर्गी जिले के सेडम में हुई घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार को ऐसी घटनाओं की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने गृह मंत्री प्रियांक खड्गे से दलित समुदाय

से जुड़े मामलों में सरकार की कार्रवाई को सार्वजनिक करने की मांग की। हालांकि, विजयेंद्र द्वारा लगाए गए आरोप राजनीतिक दावे हैं, संबंधित मामलों में जांच और आधिकारिक निष्कर्षों को ही अंतिम तथ्य माना जाना चाहिए। मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया पर सवाल विजयेंद्र ने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने चुनाव आयोग से मतदाता सूची में संदिग्ध या अपात्र नामों की जांच करने और नियमों के अनुसार कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। उर्दू पर्व को लेकर सरकार का आपत्ति विजयेंद्र ने विधान सौध परिसर में प्रस्तावित उर्दू पर्व को लेकर भी राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने इसे कांग्रेस सरकार की अल्पसंख्यक तुट्टीकरण की नीति से जोड़ते हुए सवाल उठाया कि सरकार को सभी समुदायों के लिए समान दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। भाजपा की ओर से उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अल्पसंख्यक विरोधी नहीं है और सभी समुदायों के विकास की बात करती है। उन्होंने सरकार से अपील की कि विकास योजनाएं समुदाय के आधार पर नहीं, बल्कि जरूरत और समान अवसर के आधार पर संचालित की जाएं। केपीएससी सुधार की मांग

विजयेंद्र ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) से जुड़ी समस्याओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं में पारदर्शिता, समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए आयोग में आवश्यक सुधार किए जाने चाहिए। उनके अनुसार, केवल संस्थागत प्रक्रिया को रोकना समाधान नहीं है, परीक्षा और भर्ती व्यवस्था में व्यापक सुधार की जरूरत है। 'सेवा संकल्प अभियान' का उल्लेख विजयेंद्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' का भी उल्लेख किया। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलाया जा रहा है और कर्नाटक में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बंगारपेट और कोलार जिले के केजीएफ विधानसभा क्षेत्र में भी अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विजयेंद्र के अनुसार, आगामी जिला पंचायत और तालुक पंचायत चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी संगठन को भी सक्रिय किया जा रहा है। प्रेस वार्ता में पूर्व सांसद एस. मुनिस्वामी, विधान परिषद के पूर्व सदस्य बीवाई.ए. नारायणस्वामी, जिलाध्यक्ष ओम शक्ति चलपति और पूर्व विधायक वेंकटमुनिस्वामी सहित भाजपा के स्थानीय नेता मौजूद रहे।

सर्वज्ञता पर जैन दर्शन का गहन विवेचन, आत्मा के परम स्वरूप को समझाया

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
बेंगलुरु, 1 अक्टूबर 2026। "क्या सारी दुनिया को जानने वाला कोई भगवान हो सकता है?" इस गहन आध्यात्मिक प्रश्न पर निर्पाक श्रमण श्री 108 वीरसागर जी महाराज ने जैन दर्शन के संदर्भ में सर्वज्ञता, केवलज्ञान, कर्म सिद्धांत और आत्मा के परम स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डाला। बेंगलुरु में चल रहे चातुर्मास प्रवास के दौरान आयोजित प्रवचन में उन्होंने श्रद्धालुओं और जिज्ञासुओं को सर्वज्ञता की अवधारणा को तार्किक एवं सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया। मुनि श्री ने कहा कि जैन दर्शन में भगवान किसी बाहरी शक्ति द्वारा निर्मित या संसार को अपनी इच्छा से संचालित करने वाली सत्ता नहीं हैं। परमात्मा आत्मा की वह सर्वोच्च अवस्था है, जिसमें कर्मबंधनों का पूर्ण क्षय होने के बाद उसके स्वाभाविक अनंत ज्ञान, अनंत दर्शन और अन्य गुण पूर्ण रूप से प्रकट हो जाते हैं। कर्मवर्णन हटने के प्रकट होता है अनंत ज्ञान मुनि श्री ने बताया कि जैन दर्शन के अनुसार प्रत्येक जीवात्मा में अनंत ज्ञान और अनंत दर्शन की क्षमता विद्यमान है। कर्मों के आवरण के कारण यह शक्ति वर्तमान अवस्था में पूरी तरह प्रकट नहीं हो पाती। विशेष रूप से ज्ञानावरणीय कर्म ज्ञान की अभिव्यक्ति को तथा दर्शनावरणीय कर्म दर्शन की शक्ति को बाधित करते



गई है। यह ज्ञान सामान्य इंद्रियों या मन के माध्यम से प्राप्त होने वाला सीमित ज्ञान नहीं, बल्कि आत्मा की पूर्ण विकसित ज्ञानशक्ति का प्राकट्य माना गया है। जैन दर्शन में भगवान सृष्टिकर्ता नहीं प्रवचन में भगवान और सृष्टि के संबंध को लेकर जैन दर्शन की विशिष्ट अवधारणा भी स्पष्ट की गई। मुनि श्री के अनुसार जैन दर्शन संसार को किसी एक सृष्टिकर्ता द्वारा निर्मित नहीं मानता। लोक और उसमें विद्यमान द्रव्यों को अनादि माना गया है तथा जीव अपने कर्मों के अनुसार विभिन्न अवस्थाओं का अनुभव करता है। इस दृष्टिकोण में भगवान किसी जीव को मनमाने ढंग

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
बेंगलुरु, 1 अगस्त 2026। मेजर एवं मीडियम सिंचाई मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी ने कहा है कि तुंगभद्रा सिंचाई परियोजना के तहत वर्षों से कार्यरत मजदूरों की समस्याओं की गंभीरता से जांच की जाएगी और उनकी जायज मांगों पर नियमों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की



जाएगी। उन्होंने कहा कि सिंचाई व्यवस्था के संचालन, रखरखाव और नहरों की सुरक्षा में लंबे समय से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। तुंगभद्रा सिंचाई मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर विकास सौधा स्थित जल संसाधन मंत्री के कार्यालय में मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी की अध्यक्षता में कई बैठक हुई। बैठक में डॉ. अजय धर्मसिंह, एमएलसी भोसरराजू तथा तुंगभद्रा सिंचाई मजदूर एसोसिएशन की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष एवं

पदाधिकारी मौजूद रहे। 25-30 साल से सेवा दे रहे मजदूरों ने उठाई नौकरी सुरक्षा की मांग बैठक में मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि कई कर्मचारी तुंगभद्रा सिंचाई क्षेत्र में 25 से 30 वर्षों से सेवा दे रहे हैं। उन्होंने लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों को नौकरी की सुरक्षा देने तथा सालभर काम उपलब्ध कराने की मांग रखी। संघ

के प्रतिनिधियों ने कहा कि लंबे समय तक सेवा देने के बावजूद अनेक कर्मचारी सिन्धा आधार पर कार्य कर रहे हैं, जिसके कारण उन्हें स्थायी मजदूरों के रूप में मानवीय विकास सौधा स्थित जल संसाधन मंत्री के कार्यालय में मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी की अध्यक्षता में कई बैठक हुई। बैठक में डॉ. अजय धर्मसिंह, एमएलसी भोसरराजू तथा तुंगभद्रा सिंचाई मजदूर एसोसिएशन की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष एवं

का खर्च चलाना कठिन हो रहा है और वेतन में देरी से कर्मचारियों तथा उनके परिवारों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा कर्मचारियों ने भविष्य निधि (पीएफ) और कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) की सुविधाएं उचित तरीके से उपलब्ध कराने तथा वेतन नीति कर्मचारियों के बैंक खातों में जमा कराने की व्यवस्था करने की मांग की। अधिकारियों से चर्चा के बाद होगा निर्णय मजदूरों की मांगों को सुनने के बाद मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी ने कहा कि वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारियों की समस्याओं की संबंधित अधिकारियों के साथ जांच की जाएगी। बकाया वेतन, वेतन वृद्धि, नौकरी की सुरक्षा तथा पीएफ-ईएसआई से जुड़ी मांगों पर नियमों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि तुंगभद्रा सिंचाई प्रणाली के प्रभावी प्रबंधन में कर्मचारियों की भूमिका अहम है। किसानों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने और नहरों की व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में लंबे समय से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों की समस्याओं का उचित समाधान तलाशने के लिए आवश्यक मदद उठाए जाएंगे। बैठक में सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कर्नाटक सिंचाई निगम के प्रबंध निदेशक राठौड़, महीनों से लंबित वेतन का भुगतान शीघ्र कराने तथा वेतन में बढ़ोतरी की मांग भी मंत्री के सामने रखी। उनका कहना था कि मौजूदा वेतन से परिवार

जिला स्तरीय वॉलीबॉल स्पर्धा में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, महेंद्र मुणोत ने बढ़ाया उत्साह

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
बेंगलुरु, 1 अक्टूबर 2026। चामराजपेट स्थित सेंट जोसेफ शिक्षण संस्थान के खेल मैदान में कर्नाटक

को सरल बनाने के लिए मुनि श्री ने निर्मल दर्पण का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि दर्पण उसके सामने उपस्थित वस्तुओं को प्रतिबिंबित करता है, लेकिन किसी वस्तु के प्रति आकर्षण या घृणा का भाव नहीं रखता। इसी प्रकार केवलज्ञानी आत्मा के संकेत में जैन दर्शन की मान्यता है कि वह संकेत अस्तित्व को जानती है, लेकिन किसी व्यक्ति, वस्तु या घटना के प्रति राग-द्वेष उत्पन्न नहीं करती। पूर्ण ज्ञान के साथ आसक्ति का अभाव सर्वज्ञता और वीतरागता के समन्वय को स्पष्ट करता है। हर आत्मा में परम ज्ञान की संभावना प्रवचन में मुनि श्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सर्वज्ञता को किसी एक व्यक्ति या सीमित वर्ग तक सीमित समझना जैन दर्शन की मूल अवधारणा नहीं है। प्रत्येक जीवात्मा में अनंत ज्ञान और शक्ति की संभावना विद्यमान है। उन्होंने कहा कि साधना का उद्देश्य किसी बाहरी शक्ति को प्राप्त करना नहीं, बल्कि आत्मा पर पड़े कर्मवर्णनों को दूर कर उसके शुद्ध स्वरूप को प्रकट करना है। राग, द्वेष, अहंकार, लोभ और मोह में कमी के साथ आत्मा का वास्तविक स्वरूप अधिक स्पष्ट होता जाता है। भक्ति का अर्थ आत्मगुणों का विकास मुनि श्री ने आध्यात्मिक विचारों को आधुनिक जीवन से जोड़ते हुए कहा कि आत्मिक उन्नति केवल शास्त्रों के अध्ययन तक सीमित नहीं है। सत्य, संयम, क्षमा, करुणा और आत्मनिरीक्षण को व्यवहार में उतारना भी आत्मशुद्धि की

दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति का अर्थ केवल सांसारिक इच्छाओं की पूर्ति की प्रार्थना करना नहीं, बल्कि भगवान के गुणों को देखकर अपने जीवन में उन गुणों को वितरित करने की प्रेरणा लेना है। वीतरागता को समझने वाला व्यक्ति अपने भीतर राग-द्वेष का बन्धन और शांति विकसित करने का प्रयास कर सकता है। मुनि श्री ने आधुनिक जीवन में बढ़ते तनाव, प्रतिस्पर्धा और भौतिक अपेक्षाओं के बीच आत्मनिरीक्षण के महत्व को रेखांकित किया। उनके अनुसार बाहरी परिस्थितियों को बदलने के साथ-साथ व्यक्ति जब अपने भीतर के विकारों को पहचानने और नियंत्रित करने का प्रयास करता है, तभी वास्तविक आत्मपरिवर्तन की दिशा बनती है। जिज्ञासाओं का किया समाधान प्रवचन के बाद संवादत्मक सत्र में श्रद्धालुओं और जिज्ञासुओं ने आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक विषयों से जुड़े प्रश्न रखे। मुनि श्री ने दैनिक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से इन जिज्ञासाओं का समाधान किया और आत्मचिंतन, संयम तथा आत्मशुद्धि की दिशा में मार्गदर्शन दिया। प्रवचन का केंद्रीय संदेश यह रहा कि जैन दर्शन में परमात्मा को किसी बाहरी शक्ति के रूप में देखने के बजाय आत्मा की पूर्ण और कर्ममुक्त अवस्था के रूप में समझा जाता है। सर्वज्ञता केवल ज्ञान की पराकाष्ठा नहीं, बल्कि वीतरागता और आत्मशुद्धि से जुड़ी परम अवस्था के रूप में प्रस्तुत की गई।

जिला स्तरीय वॉलीबॉल स्पर्धा में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, महेंद्र मुणोत ने बढ़ाया उत्साह

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
बेंगलुरु, 1 अक्टूबर 2026। चामराजपेट स्थित सेंट जोसेफ शिक्षण संस्थान के खेल मैदान में कर्नाटक



शिक्षा विभाग की ओर से सरकारी एवं सरकारी अनुदानित विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए जिला स्तरीय वॉलीबॉल क्रीड़ा स्पर्धा आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे युवा खिलाड़ियों ने उत्साह और खेल भावना के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन करते हुए मुकाबलों में शानदार खेल दिखाया।

मैदान पर खिलाड़ियों के उत्साह और प्रतिस्पर्धात्मक जज्बे ने आयोजन को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का

करती हैं। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में सहयोग, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता जैसे गुण भी विकसित होते हैं। सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को मिला मंच जिला स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन से सरकारी और सरकारी अनुदानित विद्यालयों के विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। ऐसे आयोजनों के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें आगे की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में मदद मिलती है। सेंट जोसेफ शिक्षण संस्थान के खेल मैदान में आयोजित इस स्पर्धा में खिलाड़ियों, शिक्षकों और आयोजकों के बीच उत्साह का माहौल रहा। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने खेल भावना के साथ मुकाबलों में भाग लिया और बेहतर प्रदर्शन के लिए अपना पूरा प्रयास किया। शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित इस तरह की जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर से आगे बढ़कर उच्च स्तरीय खेल मंचों तक पहुंचने का अवसर प्रदान करती हैं।

SIR पर सरकार का पलटवार, शिवकुमार ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के सबूत रखे



लगाया कि इन आवेदनों के जरिए विशेष रूप से अल्पसंख्यक, पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित विभिन्न वर्गों के मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने मामले की व्यापक जांच, आवश्यक होने पर आपराधिक जांच और प्रत्येक आपत्ति की निर्वाचन नियमों के तहत जांच की मांग की है। वहीं, निर्वाचन क्षेत्रों के अनुसार

के आंकड़ों के अनुसार बड़ी संख्या में मतदाताओं को Absent, Shifted, Dead, Duplicate और Others' जैसी श्रेणियों में रखा गया है तथा लाखों मतदाताओं को विसंगतियों के संकेत में नोटिस जारी किए गए हैं। KPCC अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद ने भी SIR को लेकर भाजपा पर मतदाता सूची में हेरफेर का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में बड़ी संख्या में नाम सूची से बाहर हुए हैं। ये आरोप राजनीतिक दलों के दावे हैं और मतदाता सूची की अंतिम स्थिति निर्वाचन आयोग की आधिकारिक जांच एवं प्रक्रिया से निर्धारित होगी। निर्वाचन आयोग की भूमिका पर भी सवाल SIR को लेकर कांग्रेस नेताओं की ओर से निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। वहीं, निर्वाचन आयोग ने पूर्व में कहा आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। इससे पहले भी शिवकुमार ने दावा किया था कि SIR प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम विभिन्न श्रेणियों में चले गए हैं। वहीं, निर्वाचन आयोग

ऐसे में कर्नाटक में SIR विवाद अब केवल मतदाता सूची के पुनरीक्षण तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, पात्र मतदाताओं के अधिकार और राजनीतिक दलों की शिकायतों के निपटारे को लेकर भी बहस का विषय बन गया है। पात्र मतदाताओं के नाम सुरक्षित रखने पर जोर मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि मतदाता सूची में किसी भी पात्र नागरिक का नाम केवल गलत या संदिग्ध आपत्ति के आधार पर नहीं हटना चाहिए। उन्होंने SIR प्रक्रिया में सामने आ रही शिकायतों की निर्वाचन नियमों के तहत जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने पर जोर दिया। कर्नाटक में आगामी चुनावों को देखते हुए मतदाता सूची का यह पुनरीक्षण राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, मतदाता सूची में किसी नाम के वैध या अवैध होने का अंतिम निर्णय संबंधित निर्वाचन प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर ही किया जाएगा।

बेंगलुरु, शुक्रवार , 02 अक्टूबर 2026

प्रादेशिक समाचार

Bhaarataarth.com

4

उर्दू उत्सव पर विजयेंद्र का सरकार पर निशाना, कहा- विकास के बजाय ‘विभाजन की राजनीति’ से बचें



भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
कोलार/बेंगलुरु, 1 अक्टूबर 2026। कर्नाटक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने विधानसभा की सीढ़ियों पर प्रस्तावित ‘उर्दू उत्सव’ को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए ऐसे फैसले ले रही है और इसे उन्होंने ‘विभाजन की राजनीति’ करार दिया। विधानसोध की भव्य सीढ़ियों पर 9 नवंबर को उर्दू दिवस के अवसर पर ‘उर्दू हब्बा’ आयोजित करने की सरकार की तैयारी की खबर सामने आने के बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक प्रतिक्रिया तेज हुई है। राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण,

हज एवं वक्फ मंत्री यू.टी. खाडर के अनुसार, कार्यक्रम का उद्देश्य उर्दू भाषा-साहित्य से जुड़ी संस्कृति, परंपरा और कला से विभिन्न समुदायों को परिचित कराना है। कोलार में विजयेंद्र ने कहा कि जब केंद्र के तीन-भाषा फॉर्मूले को लेकर कांग्रेस सरकार ने हिंदी थोपे जाने का आरोप लगाया था, तब अब विधानसभा की सीढ़ियों पर उर्दू उत्सव आयोजित करने के फैसले पर भी सरकार को अपनी नीति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कन्नड़ राज्य की प्रमुख भाषा है और भाषा से जुड़े कार्यक्रमों में सभी भाषाओं तथा समुदायों के प्रति समान दृष्टिकोण होना चाहिए। ‘भाजपा अल्पसंख्यक विरोधी नहीं विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है।

भाजपा की वापसी का दावा, विजयेंद्र बोले- जनता बदलाव का मन बना चुकी है

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
बंगारापेट, 1 अक्टूबर 2026। कर्नाटक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने दावा किया कि राज्य की जनता भारतीय जनता पार्टी को दोबारा सत्ता में लाने का मन बना चुकी है। बंगारापेट में आयोजित ‘सेवा संकल्प’ अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बनेगी। विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा की प्राथमिकता समाज के सभी वर्गों के विकास और वंचित समुदायों को न्याय दिलाना है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य का भी उल्लेख किया। कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलता के आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भ्रष्टाचार की स्थिति गंभीर है और सरकार पर प्रभावी नियंत्रण नहीं है। उन्होंने कांग्रेस के एक विधायक द्वारा मुख्यमंत्री को कथित रूप से लिखे गए पत्र का हवाला देते हुए कमीशनखोरी के आरोपों की जांच कराने की मांग की। विजयेंद्र ने कोलार जिले और बंगारापेट क्षेत्र में रियल एस्टेट गतिविधियों को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार को सूखा राहत को लेकर आर, अशोक का सरकार पर निशाना, बोले- मांगें नहीं



भूमि और विकास से जुड़े मामलों में पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए। किसानों के लिए मुआवजा और कर्मजाफ़ी की मांग विजयेंद्र ने सूखे की स्थिति का मुद्दा उठाते हुए किसानों के लिए 50 हजार प्रति हेक्टेयर मुआवजा देने की मांग दोहराई। उन्होंने किसानों के कृषि ऋण माफ करने, फसलों की सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने और प्रतिदिन सात घंटे तीन-फेज बिजली देने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि सूखे के दौरान किसानों को तत्काल सरकारी सहायता की जरूरत है। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार किसानों की अपेक्षाओं के अनुरूप राहत उपायों में विफल रही है। एससी-एसटी निधि को लेकर सवाल विजयेंद्र ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए निर्धारित निधि के उपयोग को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब ६5 हजार करोड़ की एससी-एसटी कल्याण निधि का अन्य मदों में इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने सरकार से इस राशि के उपयोग का स्पष्ट ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने राज्य में अनुसूचित जाति और अनुसूचित

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास’ के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि विकास योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए योजनाएं चलाने के साथ हिंदुओं सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए भी समान विकास अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। विजयेंद्र ने दावा किया कि यदि विकास कार्यों की प्राथमिकता के बजाय समाज को बांटने वाली राजनीति को बढ़ावा दिया गया, तो जनता चुनाव में इसका जवाब देगी। विजयेंद्र ने विधानसभा परिसर में कथित तौर पर लगाए गए ‘पाकिस्तान जिंदाबाद’ के नारों से जुड़े विवाद का भी उल्लेख किया और आरोप लगाया कि सरकार ने संबंधित लोगों के खिलाफ अपेक्षित सख्ती नहीं दिखाई। हालांकि, ऐसे मामलों में वास्तविक स्थिति था, तब अब विधानसभा की सीढ़ियों से ही तय होगी। मतदाता सूची पर शिकायत का अधिकार बताया विजयेंद्र ने विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के दौरान मतदाता सूची में कथित अणियमितताओं को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी राजनीतिक दल या नागरिक को किसी नाम के मतदाता सूची में गलत तरीके से शामिल होने का संदेह है, तो वह

चुनाव आयोग के समक्ष आपति दर्ज करा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्थानों पर मस्जिदों और कल्याण केंद्रों में मतदाताओं को एकत्र करने तथा नाम जोड़ने के लिए अधिकारियों की मौजूदगी की शिकायतें सामने आई हैं। विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता और अन्य राजनीतिक दल ऐसी शिकायतें चुनाव आयोग के संज्ञान में ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी नाम की वैधता का अंतिम निर्णय चुनाव आयोग और संबंधित निर्वाचन अधिकारियों को ही करना है। यदि नाम नियमों के अनुरूप है तो उसे बरकरार रखा जाएगा और यदि जांच में वह अपात्र पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कर्नाटक के विभिन्न जिलों की सरकारी वेबसाइटों पर SIR-2026 से संबंधित दावे-आपतियों और मतदाता सूची की प्रक्रियाएं उपलब्ध कराई गई हैं। विजयेंद्र ने कुछ विधानसभा क्षेत्रों में कथित रूप से अंधे बंगलादेशी प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल होने के आरोपों की भी जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे आरोपों को चुनाव आयोग के समक्ष रखना जांच की प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, किसी व्यक्ति के नागरिक या मतदाता होने की स्थिति केवल आधिकारिक सत्यापन और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर ही तय की जा सकती है।

KPSC में पारदर्शिता और सुधार की मांग बंगारपेट में विजयेंद्र ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग (KPSC) की भर्ती एवं परीक्षा व्यवस्था में कथित गड़बड़ियों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवा वर्षों तक मेहनत करते हैं और परीक्षा प्रक्रिया में अनियमितता या भ्रम की स्थिति उनके भविष्य को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा कि KPSC को बंद करना समस्या का समाधान नहीं है। इसके बजाय परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए व्यापक सुधार किए जाने चाहिए। विजयेंद्र ने राज्य सरकार से ऐसी व्यवस्था बनाने की मांग की, जिसमें भर्ती प्रक्रिया समयबद्ध और पारदर्शी हो तथा अस्थिरियों को उनकी मेहनत का उचित परिणाम मिल सके। भाषा और मतदाता सूची पर राजनीतिक बहस तेज उर्दू उत्सव के आयोजन को लेकर भाजपा की आपति के बीच राज्य में विवादों में बढ़ावा दे रहे हैं। वहीं, SIR के तहत मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में दावे और आपतियां दर्ज कराने की व्यवस्था पहले से मौजूद है। ऐसे में मतदाता सूची से जुड़े आरोपों का अंतिम निर्धारण चुनाव आयोग की जांच और अधिकारिक रिपोर्टों के आधार पर ही होगा।

बेंगलुरु नॉर्थ में जलभराव पर स्थायी समाधान, मान्यता टेक पार्क से HBR लेआउट तक ड्रेनेज सुधार



भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
संवाददाता टी मदनलाल
बेंगलुरु, 1 अक्टूबर 2026। बारिश के दौरान जलभराव की वर्षों पुरानी समस्याओं से निपटने के लिए बेंगलुरु नॉर्थ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने विभिन्न इलाकों में ड्रेनेज और वर्षाजल निकासी से जुड़े कार्य किए हैं। निगम के कमिश्नर पोम्माला सुनील कुमार के मार्गदर्शन में मान्यता टेक पार्क, अतूर-पुतेनहल्ली, HBR लेआउट, सर्वज्ञनगर, टाटा नगर, डायनेस्टी और डिफेंस लेआउट सहित कई क्षेत्रों में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के उपाय किए गए हैं। मान्यता टेक पार्क के पास वर्षों पुरानी समस्या का समाधान मान्यता टेक पार्क वीरन्नापाल्वा और आसपास के क्षेत्रों में हेबल आउटर रिग रोड (ORR) तथा वीरन्नापाल्वा सर्विस रोड के करीब एक किलोमीटर

भारतार्थ खबर
Bhaarataarth.com
बेंगलुरु, 1 अक्टूबर 2026।
बेंगलुरु दक्षिण नगर निगम क्षेत्र में शहर को स्वच्छ और कचरा-मुक्त



बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष सफाई अभियान के तहत पिछले दो महीनों में 20,980.84 मीट्रिक टन कचरे का निपटारा किया गया। यह जानकारी निगम आयुक्त के.एन. रमेश ने दी। ग्रेटर बेंगलुरु पहले से मौजूद है। ऐसे में मतदाता सूची से जुड़े आरोपों का अंतिम निर्धारण चुनाव आयोग की जांच और अधिकारिक रिपोर्टों के आधार पर ही होगा।

चिन्हित ब्लैक स्पॉट को हटाने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया गया। 885 ट्रिप में हटाया गया कचरा निगम के अनुसार, 1 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक चले विशेष सफाई अभियान के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से कचरा हटाने के लिए ट्रिपर वाहनों ने कुल 885 ट्रिप किए। इन वाहनों के माध्यम से विट्टासंद्रा तथा अनेकल के समीप कल्लूबालू क्षेत्र में एकत्रित कचरे को हटाकर निर्धारित व्यवस्था के तहत निपटारा गया। निगम के आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में कुल 20,980.84 मीट्रिक टन कचरा

साफ किया गया। 1,601 शिकायतों और अनुरोधों पर कार्रवाई अभियान के दौरान नागरिकों और निगम अधिकारियों की ओर से कचरा हटाने से संबंधित कुल 1,601 अनुरोध पोर्टल पर दर्ज किए गए। इनमें से 928 अनुरोध सहायक अभियंताओं (AE) और 339 अनुरोध मार्शलों द्वारा दर्ज किए गए। निगम का कहना है कि प्राप्त शिकायतों और अनुरोधों के आधार पर संबंधित कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर कचरा हटाने और उसके निपटारे की कार्रवाई की। इससे विभिन्न क्षेत्रों में लंबे समय से जमा कचरे को हटाने में मदद मिली। नागरिकों से सहयोग की अपील उन्होंने कहा कि अभियान के परिणामस्वरूप मुख्य सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरे के ढेर में कमी आई है, लेकिन स्थायी स्वच्छता के लिए नागरिकों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंकें तथा गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करके निगम की कचरा संग्रहण व्यवस्था को ही सौंपें। निगम प्रशासन के अनुसार, नियमित सफाई व्यवस्था के साथ नागरिकों की जिम्मेदार भागीदारी से बेंगलुरु दक्षिण क्षेत्र को स्वच्छ और बेहतर मौडल बनाने के रूप में विकसित करने में मदद मिल सकती है।

लंबा वर्षाजल नाला बनाया गया है, जिससे अनंतपुर और अतूर कैचमेंट क्षेत्र से वर्षाजल को पुतेनहल्ली झील की ओर ले जाने की व्यवस्था की गई थी। निगम के अनुसार, वीरन्नापाल्वा सर्विस रोड से अतिक्रमण हटाकर नहर क्षेत्र को मुख्य हेबल नहर से जोड़ने के लिए 1.6 किलोमीटर लंबी कृत्रिम नहर तैयार की गई। इससे वर्षाजल को मुख्य नहर की ओर प्रवाहित करने की व्यवस्था हुई है। निगम के मुताबिक, 30 सितंबर को करीब 75-80 मिलीमीटर बारिश के बावजूद करियान्नापाल्वा और वीरन्नापाल्वा के आउटर रिग रोड क्षेत्र में जलभराव नहीं हुआ। वर्षाजल के आउटर रिग रोड से मुख्य हेबल नहर की ओर प्रवाहित होने की बात भी निगम ने दर्ज की है। अतूर-पुतेनहल्ली में वर्षाजल निकासी की नई व्यवस्था लंबी और 600 मिलीमीटर व्यास वाली NP3 RCC पाइपलाइन बिछाकर उसे डायवर्जन ड्रेन से जोड़ा गया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य सीवेज को झील में जाने से रोकना और वर्षाजल के प्रवाह को अलग दिशा देना है। इसके अतिरिक्त नेशनल डिजास्टर मिटिगेशन फंड के तहत 60 मीटर

लंबा वर्षाजल नाला बनाया गया है, जिससे अनंतपुर और अतूर कैचमेंट क्षेत्र से वर्षाजल को पुतेनहल्ली झील की ओर ले जाने की व्यवस्था की गई थी। निगम के अनुसार, 30 सितंबर की बारिश के दौरान इस क्षेत्र में जलभराव या बाढ़ की कोई सूचना नहीं मिली। HBR लेआउट में नया स्टॉर्मवॉटर ड्रेन कनेक्शन HBR लेआउट के 5वें ब्लॉक की 18वीं मेन रोड पर BESCOM कार्यालय के पास से गुजर रही HN वैली से जुड़ी 1.5 मीटर व्यास की डै पाइपलाइन के कारण पिछले कई वर्षों से वर्षाजल के सुचारु प्रवाह में बाधा की समस्या बताई गई थी। निगम ने सड़क की ढलान के अनुरूप नया RCC पुलिया और नाला तैयार कर उसे नजदीकी मुख्य स्टॉर्मवॉटर ड्रेन से जोड़ा है। निगम के अनुसार, इससे सड़क पर वर्षाजल जमा होने की समस्या को दूर करने में मदद मिली है। वहीं सर्वज्ञनगर क्षेत्र में स्टॉर्मवॉटर ड्रेन की नियमित सफाई भी की जा रही है। सफाई के दौरान निकली गाद और अन्य सामग्री को हटाकर जल निकासी का मार्ग साफ रखने के उपाय किए जा रहे हैं। टाटा नगर और डायनेस्टी लेआउट में बाढ़ नियंत्रण टाटा नगर, डायनेस्टी लेआउट और डिफेंस लेआउट में वर्ष 2024 की भारी बारिश के दौरान जलभराव और बाढ़ की स्थिति बनी थी। निगम के अनुसार, उस दौरान लोगों को लगातार कई दिनों

SIR विवाद पर CEO कार्यालय में धरना, शिवकुमार ने कार्रवाई की मांग की

हुई। शिवकुमार पहले ही मुख्य निर्वाचन अधिकारी से विधानसभा क्षेत्रवार फॉर्म-7 आपतियों का विवरण,



बड़ी संख्या में दाखिल किए गए आवेदनों तथा निर्धारित विवरण के बिना दाखिल आपतियों की जानकारी मांग चुके थे। SIR प्रक्रिया पर राजनीतिक मतभेद कर्नाटक में SIR अधिकारियों के साथ आगे की बातचीत करने की प्रक्रिया चल रही है।

निर्वाचन विभाग के अनुसार, घर-घर जाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराने का अभियान जून में शुरू किया गया था और अंतिम मतदाता सूची 7 अक्टूबर को जारी करने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया था। इसी प्रक्रिया के दौरान फॉर्म-7 आवेदनों और मतदाता नामों से संबंधित आपतियों को लेकर राजनीतिक दलों के बीच मतभेद सामने आए हैं। मुख्यमंत्री

शिवकुमार ने जहां कथित अनियमितताओं की जांच और कार्रवाई की मांग की है, वहीं वास्तविक स्थिति का निर्धारण निर्वाचन अधिकारियों की जांच और उपलब्ध दस्तावेजों के सत्यापन से होगा। मतदाता सूची की पारदर्शिता पर जोर मामले ने कर्नाटक में मतदाता सूची की शुद्धता, आपतियों के सत्यापन और वास्तविक मतदाताओं के नाम सुरक्षित रखने को लेकर बहस तेज कर दी है। मुख्यमंत्री की ओर से निर्वाचन कार्यालय में धरना इसी मुद्दे पर सरकार और निर्वाचन अधिकारियों के बीच बढ़े दबाव को दर्शाता है। अब निगम निर्वाचन अधिकारियों की जांच और आगे की कार्रवाई पर हैं। फॉर्म-7 से जुड़े मामलों में यदि कोई अनियमितता या कानून का उल्लंघन सामने आता है, तो संबंधित प्रक्रियाओं के तहत कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल आरोपों और दावों की स्वतंत्र पुष्टि जांच प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होगी।